KEVA

कीवा एंटी शुगर

मधुमेह अथवा डायबिटीज़ एक ख़तरनाक रोग है जिसका प्रभाव भारत में व्यापक रूप से फैल रहा है।

इंसुलिन नामक हॉर्मोन की कमी या इसकी कार्यक्षमता में कमी आने से 'मधुमेह रोग' या 'डायबिटीज़' हो जाती है

यह बीमारी हमारे शरीर में अग्न्याशय (पैंक्रियास) द्वारा इंसुलिन का स्त्राव कम हो जाने के कारण होती है। इसमें रक्त ग्लूकोज़ स्तर बढ़ जाता है, साथ ही इन मरीज़ों में रक्त कोलेस्ट्रॉल, वसा यानि चर्बी के अवयव भी असामान्य हो जाते हैं।

इंसुलिन नामक हॉर्मोन की कमी या इसकी कार्यक्षमता में कमी आने से 'मधुमेह रोग' या 'डायबिटीज़' हो जाती है।

डायबिटीज एक मेटाबॉलिक सिंड्रोम है, जो कई बीमारियों का घर है. इससे शरीर का हर अंग प्रभावित होता है

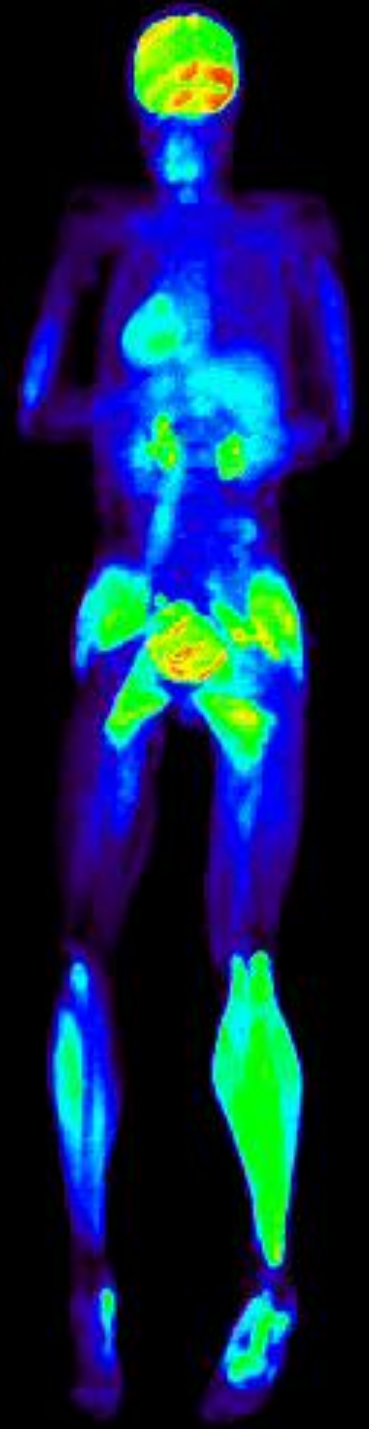

डायबिटीज कार्डियोवैस्क्यूलर (हृदय की) बीमारियों का खतरा बढ़ा देती है, जिनमें कोरोनरी आर्टरी डिसीज, छाती में दर्द, हार्ट अटैक, स्ट्रोक और धमनियों का संकरा होना प्रमुख है

इससे पैरों की तंत्रिकाएं क्षतिग्रस्त होने या पैरों में रक्त का प्रवाह कम होने के कारण पैरों से संबंधित समस्याओं के होने का खतरा बढ़ जाता है, इससे होने वाले फुट अल्सर के कारण पैर कटने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है

डायबिटीज से अल्जाइमर का खतरा बढ़ जाता है - रक्त शुगर जितनी अधिक अनियंत्रित होगी, अल्जाइमर का खतरा उतना ज्यादा होगा

डायबिटीज के कारण किडनी फेल होने का खतरा 50 फीसदी तक बढ़ जाता है

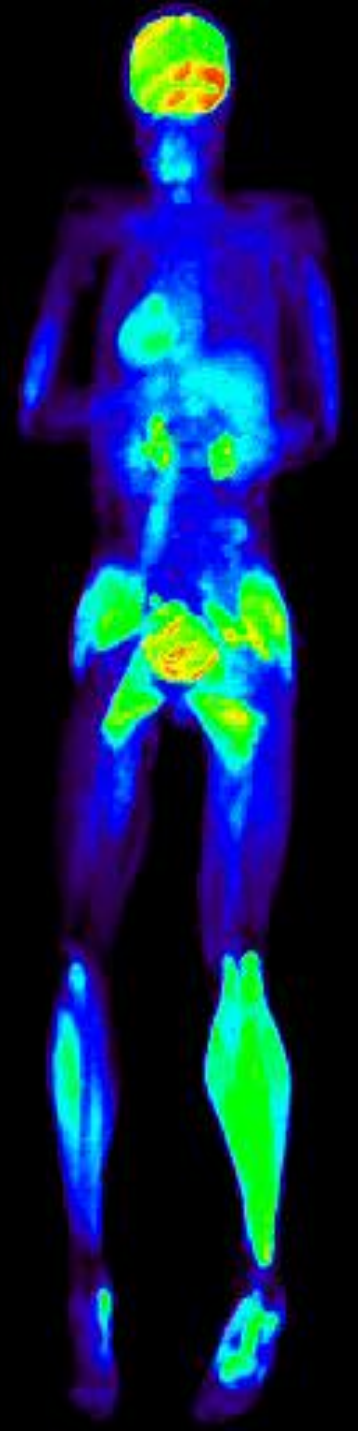

KEVA

डायबिटीज की वजह से बढ़ा हुआ शुगर लेवल ब्रेन में ब्लड सप्लाई करने वाली नसों पर असर डालता है इसके कारण ब्रेन का कुछ हिस्सा डैमेज हो सकता है और मेमोरी लॉस हो सकता है

बढ़ा हुआ ब्लड शुगर लेवल नर्वस सिस्टम (मस्तिष्क) को नुकसान पहुंचाकर आपकी आंखों पर बुरा असर डाल सकता है

डायबिटीज के कारण आपके दांतों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है

डायबिटीज के कारण आपके दिल और उससे होकर शरीर के दूसरे हिस्सों में जाने वाली नसों में ग्लूकोज लेवल बढ़ जाता है इससे ब्लाकेज की संभावना बन जाती है ब्लाकेज की वजह से दिल की गंभीर बीमारियां और हार्ट अटैक हो सकता है

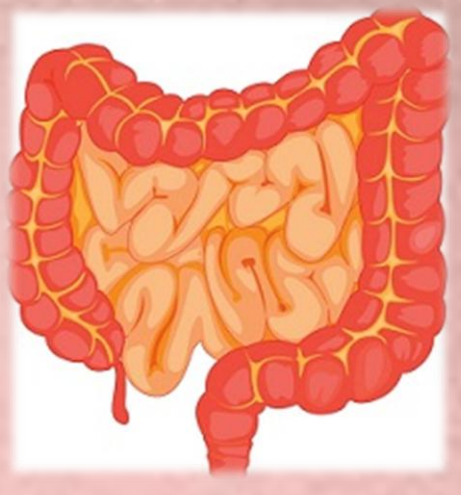

डायबिटीज आपकी आंतों पर बुरा असर डालती है

खानपान की ख़राबी और शारीरिक श्रम की कमी के कारण पिछले दशक में मधुमेह होने की दर दुनिया के हर देश में बढ़ी है।

भारत में इसका सबसे विकृत स्वरूप उभरा है जो बहुत भयावह है।

जीवनशैली में अनियमितता मधुमेह का बड़ा कारण है

एक दशक पहले भारत में मधुमेह होने की औसत उम्र चालीस साल की थी जो अब घट कर 25 से 30 साल हो चुकी है

भारत में 1995 में मधुमेह रोगियों की संख्या 1 करोड़ 90 लाख थी

जो 2008 में चार करोड़ और 2017 में बढ़कर आठ करोड़ के आसपास हो गई है

अनुमान है कि 2025 तक मधुमेह रोगियों की संख्या दुगनी हो जाएगी

KEVA

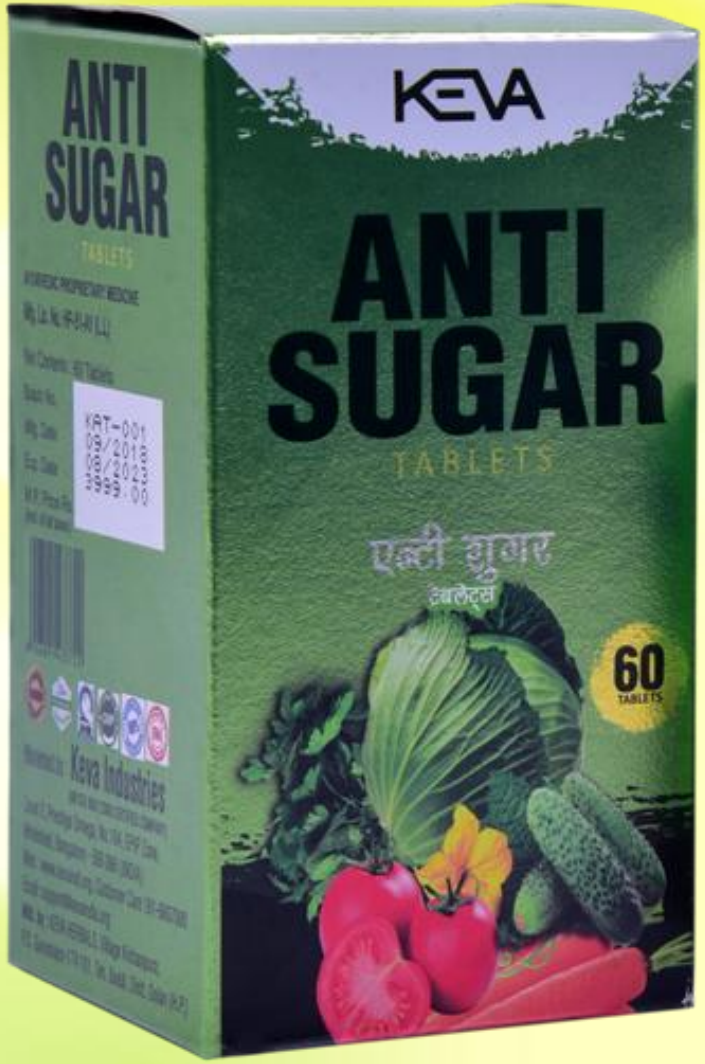
ANTI SUGAR
TABLETS
KEVA
ANTI SUGAR
TABLETS
एन्टी शुगर
टेबलेट्स
60
TABLETS
Keva Industries

KEVA
ANTI SUGAR
TABLETS
एन्टी शुगर
टेबलेट्स
60
TABLETS
AYURVEDIC PROPRIETARY MEDICINE

प्राकृतिक जड़ी बूटियों का अनूठा मिश्रण जो मधुमेह के प्राकृतिक उपचार के लिए वैज्ञानिक तौर पर प्रमाणित है

यह शरीर में इन्सुलिन के स्तर को नियंत्रित रखता है और मधुमेह के लक्षणों में लाभदायक है

यह डायबिटीज के कारण होने वाली मूत्र की अनियमितता को भी ठीक करता है

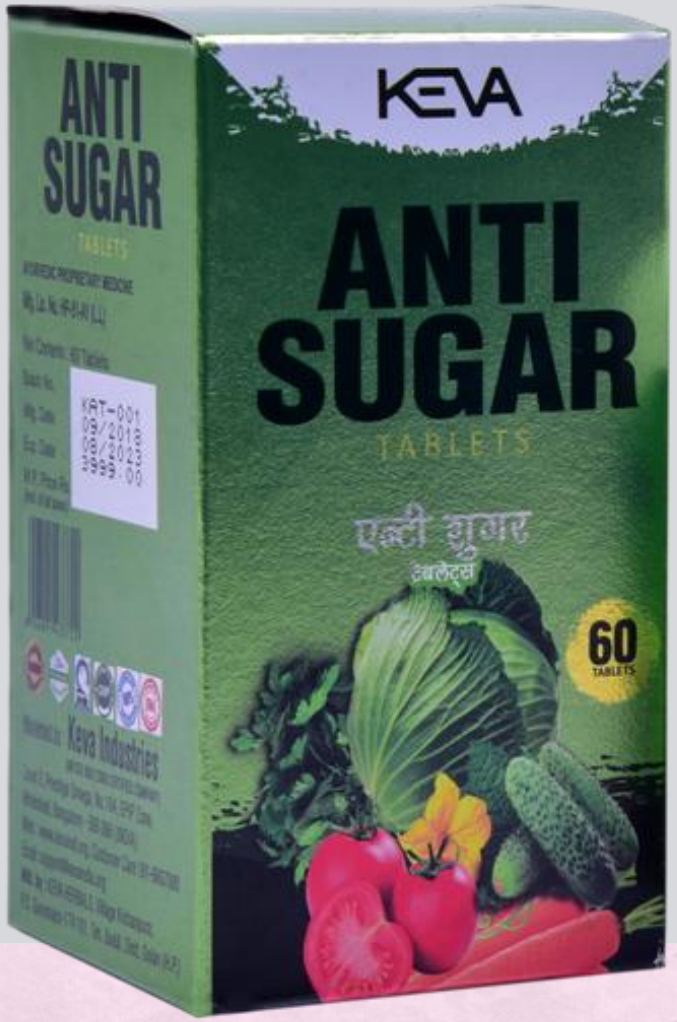

KEVA

इसके इलावा यह शारीरिक कमजोरी और मधुमेह में होने वाले अन्य रोगों जैसे हृदय , लिवर किडनी दिमाग आखों के रोगों आदि में भी लाभदायक है

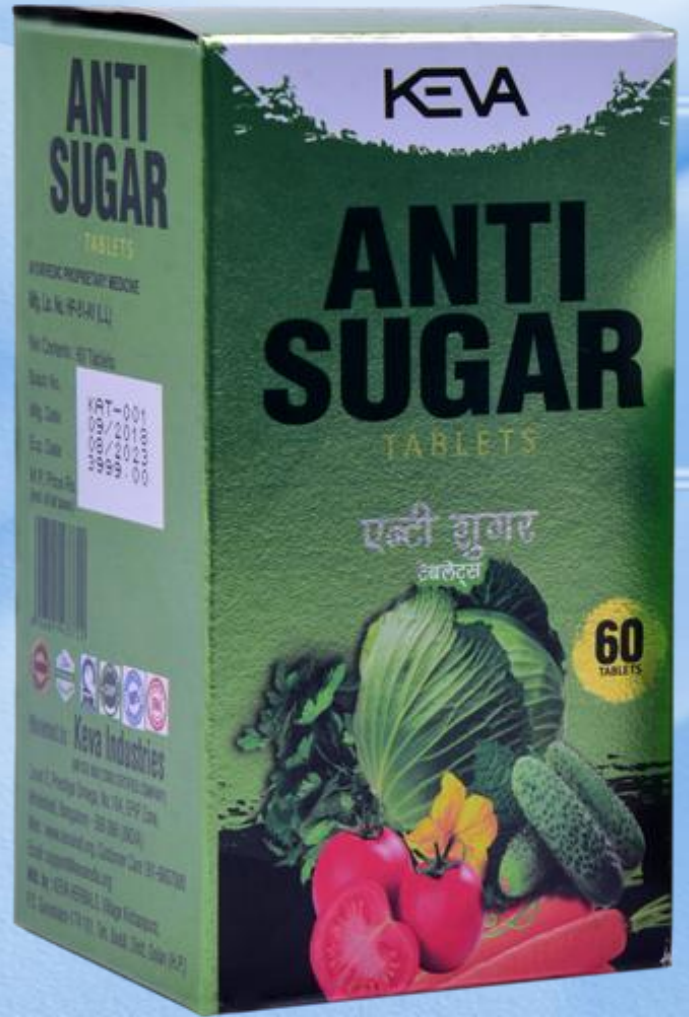

इसमें शामिल जड़ी बूटियां शरीर को आवश्यक पोषण तत्व प्रदान करवाती हैं जो मधुमेह के रोगिओं के लिए बहुत आवश्यक है इससे तनाव और थकान दूर होती है और ऊर्जा बढ़ती है

इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट खून को साफ़ रखते हैं और साथ में प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत बनाते हैं

यह जड़ी बूटियां कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को भी सामानय बनाये रखती हैं जिससे हृदय रोगों का खतरा कम हो जाता है

इसमें मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने के गुण पाये जाते हैं जो मोटापा कम करने में मदद करते हैं

यह पाचनशक्ति को बेहतर करने में भी सहायक है

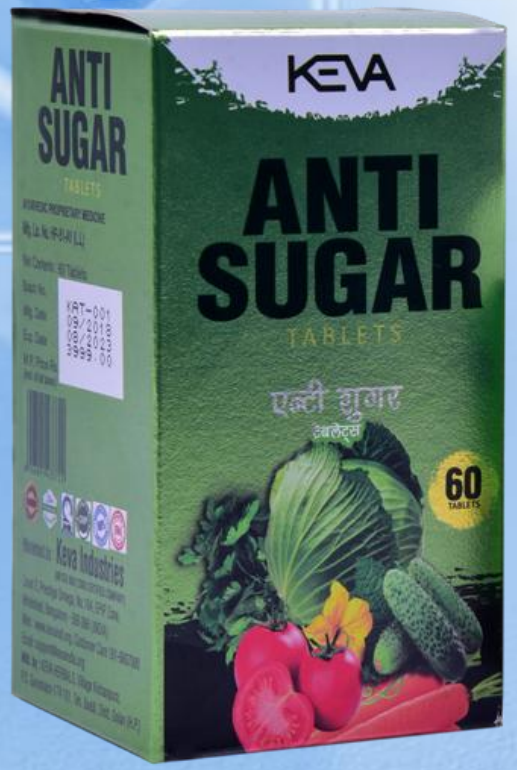

इसमे शामिल है

- अमरमज्जा (मंगीफेरा इंडीका)
- जामुन (साइजियम कम्युनी)
- गुडमार (जिमनेमा सिल्वेस्टर)
- गिलॉय (टायनसपोरा कोर्डिफोलिया)
- विजयसार (टेरोकार्पस मारसुपियम)
- करेला (मोमोर्डिका चेरेंटिया)
- अश्वगंधा (विथेनिया सोमनीफेरा)
- मेथी (ट्राइगोनेला फेनम ग्रेकम)
- हल्दी (कुरकुमा लोंगा)
- शुद्ध शिलाजीत

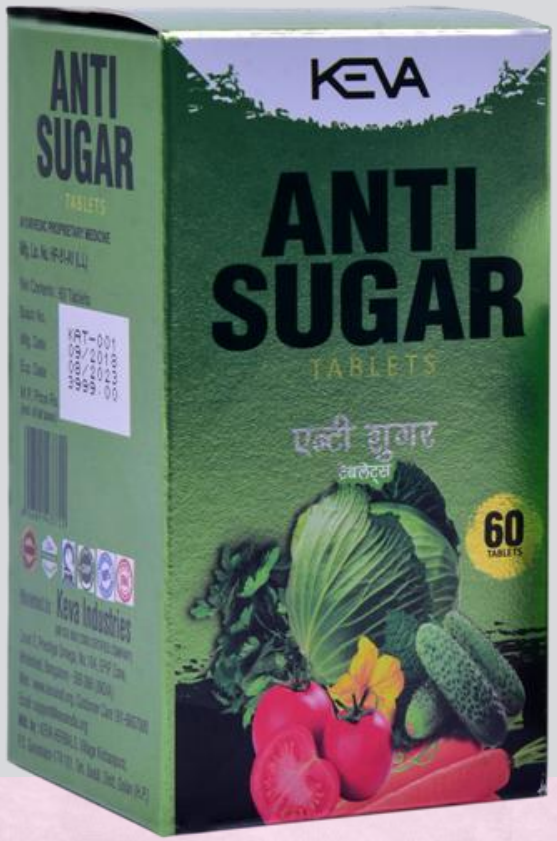

अमरमज्जा (मंगीफेरा इंडीका)

अमरमज्जा में डायबिटीज को कण्ट्रोल करने के गुण होते हैं, यह रकत में ग्लूकोस के स्तर को सामानय बनाये रखने में मदद करता है

यह उच्च कोलेस्ट्रॉल को काम करने, नेत्र स्वास्थय में सुधार लाने और हृदय को स्वस्थ रखने में सहायक है

जामुन (साइजियम कम्युनी)

आयुर्वेदा के अनुसार जामुन मधुमेह के रोगीओं में मददगार है क्योकि यह रक्त में शुगर के स्तर को सामन्या बनाये रखता है

इसके इलावा जामुन में एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं जो डायबिटीज में सहायक हैं

गुडमार (जिमनेमा सिल्वेस्टर)

जिमनेमा सिलवेस्टर को गुडमार भी कहा जाता है यानि गुड को मारने वाला, गुड़मार हजारों वर्षों से आयुर्वेद में मधुमेह की जानी-मानी औषधि के रूप में इस्तेमाल की जाती है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि यह सुगर के स्तर को कंट्रोल करने में मदद करता है और डायबीटीज में लाभदायक है।

इसमें पाए जाने वाले **Gymnemic-Acid and Gymnema soponins** ग्लूकोज को छोटी आंतों में अवशोषित नहीं होने देते और पैंक्रियास में पाई जाने वाली वीटा-सेल्स को सक्रिय कर शरीर में इन्सुलिन की मात्रा को भी बढ़ाते हैं। रक्त में बढ़े हुए कोलेस्टेरॉल और ट्राईग्लीसेराइड को भी कम करते हैं, कोशिकाओं द्वारा ग्लूकोस के अपटेक को भी बढाते हैं ।

गिलॉय (टायनसपोरा कोर्डिफोलिया)

गिलोय शरीर से कई विषैले पदार्थ बाहर निकालता है और खून को साफ करता है। यह इम्यून सिस्टम (प्रतिरोधक क्षमता) को मजबूत बनाता है

विजयसार (टेरोकार्पस मारसुपियम)

इसमें एंटी-हाइपर ग्लाइसेमिक गुण पाए जाते हैं जो डायबीटीज में लाभदायक साबित होते हैं

यह कोलेस्टेरॉल और ट्राईग्लीसेराइड के स्तर को सामान्य रखने में मदद करता है

करेला (बिटर गाउंर्ड)

इसमें एंटी-हाइपर ग्लाइसेमिक गुण पाए जाते हैं, जो खून में शुगर का स्तर नियंत्रित रखते हैं

करेला न सिर्फ शुगर को संतुलित करता है बल्कि शरीर को पोषक तत्व भी प्रदान करता है

इन पोषक तत्वों से हमारा खून साफ रहता है जिससे किडनी और लीवर भी स्वस्थ रहता है

अश्वगंधा (विथेनिया सोमनीफेरा)

अश्वगंधा खून में इन्सुलिन का स्तर बढ़ाता है जो खून में शुगर को संतुलित करता है। साथ ही यह थकान दूर कर के शरीर में ऊर्जा बढ़ाता है

मेथी (ट्राइगोनेला फेनम ग्रेकम)

मेथी में पाये जाने वाले पोषण तत्व शुगर के अवशोशण को कम कर के खून में शुगर के स्तर को बढ़ने से रोकते हैं

दिल के दौरा पड़ने के खतरे को कम करने में मदद करती है

पोटेशियम का सबसे अच्छा स्रोत होती है जो सोडियम के प्रभाव को कम करके हृदय गति और रक्त चाप को नियंत्रित करने में मदद करती है

शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करती है

शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करती है

कब्ज़ से भी राहत दिलाती है

हल्दी (कुरकुमा लोंगा)

इसमें शामिल कुर्कुमिन पैंक्रियास की बीटा कोशिकाओं पे काम करता है और खून में इन्सुलिन का स्तर बढ़ाता है

इसका एंटीसेप्टिक गुण घाव जल्दी भरने में मदद करता है और घाव पे इन्फेक्शन होने से भी बचाता है

शुद्ध शिलाजीत

मधुमेह रोगियों में रक्त ग्लूकोज और लिपिड प्रोफाइल को कम करने में मदद करता है

शरीर में खून को साफ करके नसों में खून की रफ्तार को ठीक करता है,जिससे बी.पी कंट्रोल हो जाता है

मधुमेह के कारण होने वाली यौन समस्याओं में भी लाभदायक है

शरीर की कमजोरी दूर करता है और बीमारियों से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है

जिन लोगों को बार-बार मूत्र जाने की समस्या होती है, उनके लिए शिलाजीत बहुत ही फायदेमंद होता है

इस्तेमाल कैसे करें

रोज 1 गोली सुबह और 1 गोली शाम को खाली पेट या खाना खाने से आधा घंटा पहले लें

बेहतर परिणाम के लिए कम से कम 6-12 महीनों के लिए इस्तेमाल करें

संपर्क करें

कीवा इंडस्ट्रीस

एक आई.एस.ओ 9001:2008
प्रमाणित कंपनी

लेवल 2, प्रेस्टीज ओमेगा,
नं. 104, ई.पी.आई.पी ज़ोन,
वाइटफील्ड, बैंगलोर-560066 (भारत)
वेबसाइट: **www.kevaind.org**

KEVA

धन्यवाद